Std X HINDI

बड़े घर की बेटी

'बड़े घर की बेटी' एक संयुक्त परिवार की कहानी है। बेनी माधव सिंह गाँव के जमींदार और नंबरदार थे। उनके दो बेटे थे। बड़े का नाम श्रीकंठ सिंह और छोटे का नाम था - लाल बिहारी सिंह। श्री कंठ सिंह ने बी.ए. पास करके एक दफ्तर में नौकरी कर ली थी। श्री कंठ सिंह प्राचीन सभ्यता के प्रेमी तथा संयुक्त कुटुंब के उपासक थे। उनकी पत्नी आनंदी एक उच्च कुल की लड़की थी जिसके पिता छोटी सी रियासत के ताल्लुकेदार थे - ऑनरेरी मजिस्ट्रेट, नाम था - भूप सिंह। आनंदी अपने पिता की चौथी संतान थी। उसका विवाह श्रीकंठ के साथ हुआ। थोड़े ही दिनों में उसने अपने आपको ससुराल की परिस्थितियों के अनुकूल बना लिया था।

एक दिन लाल बिहारी सिंह का अपनी भाभी से खाने में घी न डालने पर विवाद हुआ जो बढ़ गया। लाल बिहारी ने आनंदी के भैके को लेकर व्यंग्य कसा जिसके उत्तर में आनंदी बोली, "वहाँ इतना घी तो नित्य नाई कहार खा जाते हैं।" लाल बिहारी ने थाली पलट दी। बात इतनी बढ़ी कि उसने खड़ाऊँ उठाकर आनंदी की ओर फेंकी। आनंदी ने हाथ से खड़ाऊँ रोकी इसलिए सिर तो बच गया पर उंगली में चोट आई। आनंदी खून का घूँट पीकर रह गई।

श्रीकंठ शनिवार को घर आया करते थे। आनंदी ने रोते-रोते घटना उन्हें कह सुनाई। श्रीकंठ सिंह की आँखें लाल हो गई। वे लाल बिहारी सिंह की धृष्टता को बरदाश्त नहीं कर पाए। उन्होंने अपने पिता से कहा कि अब उनका निर्वाह इस घर में लाल बिहारी सिंह के साथ नहीं होगा। बेनी माधव सिंह ने बात संभालने की चेष्टा की तथा श्रीकंठ सिंह को समझाया, पर श्रीकंठ सिंह कुछ सुनने को तैयार नहीं हुए। वे अपनी जिद पर अड़े रहे।

लाल बिहारी सिंह अपने बड़े भाई का बहुत आदर करते थे। भाई के मुख से ऐसी बातें सुनकर उसे बहुत ग्लानि हुई। कोठरी में जाकर कपड़े पहने, आँसू पोंछी और आनंदी के दवार पर आकर कहा कि जब भैया मेरा मुँह ही देखना नहीं चाहते, तो मैं ही इस घर से चला जाता हूँ। फिर कभी मुँह न दिखाऊँगा। मुझसे जो अपराध हुआ है, उसे क्षमा करना।

आनंदी स्वभाव से बहुत दयालु थी। उसे तनिक भी उम्मीद

Scanned with CamScanner

नहीं थी कि बात इतनी बढ़ जाएगी। आनंदी ने अपने पति को समझाने की चेष्टा की तथा सौगंध देकर लाल बिहारी सिंह को जाने से रोका। श्री कंठ सिंह का हृदय भी पिघल गया और दोनों भाई गले मिले।

गाँव में जिसने भी यह वृत्तांत सुना, उसी ने आनन्दी की उदारता को सराहते हुए कहा - "बड़े घर की बेटियाँ ऐसी ही होती हैं।"

गृहकार्य — पाठ के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में लिखिए

प्रश्न 1) श्रीकंठ सिंह की शारीरिक बनावट किसके विपरीत थी और कैसे?

2) सम्मिलित कुटुंब के संबंध में श्रीकंठ सिंह के क्या विचार थे और उनकी पत्नी के क्या विचार थे?

3) आनंदी के पिता उसके विवाह को लेकर किस प्रकार के धर्म संकट में थे?

4) आनंदी के मैके और ससुराल के वातावरण में क्या अंतर था?

5) आनंदी और लाल बिहारी की तकरार किस बात पर शुरू हुई?

6) आनंदी का लाल बिहारी के प्रति रहा-सहा क्रोध भी कब जाता रहा?

व्याकरण :-

[सरस हिन्दी व्याकरण] [पृष्ठ संख्या 244 - 245]

1) कोष्ठक में दिए शब्दों के विशेषण रूप बनाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए।
(i) से (x x) तक

2) वे अव्यय जो संज्ञा - सर्वनाम के साथ जुड़कर उनका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से बताते हैं, संबंध बोधक कहते हैं
[पृष्ठ संख्या 250]
प्रश्न 2 (i से x) उत्तर पुस्तिका में लिखें।

3) पर्यायवाची शब्द [पृष्ठ संख्या 251 - 252] तक याद करके उत्तर पुस्तिका में लिखें।

Scanned with CamScanner